http://www.mjpruonline.com

Total No. of Questions : 12] [Total No. of Printed Pages : 4

Paper Code : 11201

252

B.A. (Part I) Examination, 2019

(New Course)

SANSKRIT

Paper–I

(संस्कृत काव्य तथा काव्यशास्त्र)

Time : 3 Hours] [Maximum Marks : 50

नोट :– प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। खण्ड 'अ', 'ब' एवं 'स' से सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख अंक दिए गए हैं।

खण्ड–अ प्रत्येक 5

1. अधोलिखित श्लोकों में से किसी एक की ससन्दर्भ हिन्दी में व्याख्या कीजिए :

(क) विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनं
विद्या भोगकरी यशः सुखकारी विद्या गुरूणां गुरुः।
विद्या बन्धुजनो विदेशगमने विद्या परं दैवतं
विद्या राजसु पूज्यते नहि धनं विद्याविहीनः पशुः॥

http://www.mjpruonline.com

(ख) आरम्भगुर्वी क्षयिणी क्रमेण,
लघ्वी पुरावृद्धिमती च पश्चात्।
दिनस्य पूर्वार्धपरार्ध भिन्ना,
छायेव मैत्री खलसज्जनानाम्॥

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूक्तियों की ससन्दर्भ हिन्दी में व्याख्या कीजिए :

(क) ज्ञानलवदुर्विदग्धं ब्रह्माऽपि नरं न रञ्जयति।

(ख) विभूषणं मौनमपण्डितानाम्।

(ग) अहह महतां निःसीमानश्चरित्र विभूतयः।

(घ) सर्वेगुणाः काञ्चनमाश्रयन्ति।

3. निम्नलिखित श्लोक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :

कृत प्रणामस्य महीं महाभुजे जितां सपत्नेन निवेदयिष्यतः।
न विव्यधे तस्य मनो नहि प्रियं, प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिणः॥

अथवा

विहाय शान्तिं नृप धाम तत्पुनः प्रसीद सन्धेहि वधाय विद्विषाम्।
व्रजन्ति शत्रूनवधूय निःस्पृहाः शमेन सिद्धिं मुनयः न भूभृतः॥

4. महाकाव्यीय लक्षणों के आधार पर किरातार्जुनीयम् की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'भारवेरर्थगौरवम्' की समीक्षा कीजिए।

http://www.mjpruonline.com

http://www.mjpruonline.com

5. अधोलिखित श्लोक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :

पतत्पगङ्ग प्रतिम स्तपोनिधि:
पुराऽस्य यावन्न भुवि व्यलीयत।
गिरे स्तडित्वानिव तावदुच्चकै
र्जवेन पीठादुदतिष्ठदच्युत:॥

अथवा

सितं सितिम्ना सुतरांमुने र्वपु
र्विसारिभि: सौधमिवाऽथ लम्भयन्।
द्विजावलिब्याजनिशाकरांशुभि:
शुचिस्मितां वाचभवोचददच्युत:॥

6. महाकवि माघ के स्थिति काल पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'शिशुपालवधम्' के प्रथम सर्ग का सार अपने शब्दों में लिखिए।

खण्ड–ब प्रत्येक 3

7. नीतिशतकम् के आधार पर मूर्खजन के स्वरूप पर विचार व्यक्त कीजिए। http://www.mjpruonline.com

अथवा

नीतिशतकम् के आधार पर विद्या के गुणों की विशेषता बताइये।

8. किरातार्जुनीयम् के पठितांश के आधार पर द्रौपदी के हृदयस्थ भावों को अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

किरातार्जुनीयम् के पठितांश के आधार पर राजा और राज्य के अधिकारियों एवं प्रजा के बीच कैसा व्यवहार होना चाहिए ?

http://www.mjpruonline.com

http://www.mjpruonline.com

9. 'शिशुपालवध' की गणना वृहत्त्रयी में क्यों होती है? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'मेघे माघे गतो वय:' पर टिप्पणी लिखिए।

10. साहित्यदर्पण के आधार पर महाकाव्य के लक्षण लिखिए।

अथवा

साहित्यदर्पण के आधार पर काव्य का स्वरूप बताइये।

11. साहित्यदर्पणकार का सामान्य परिचय दीजिए।

अथवा

साहित्यदर्पण के प्रथम परिच्छेद का प्रतिपाद्य बताइये।

खण्ड–स प्रत्येक 1

12. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) साहित्य दर्पण के प्रथम परिच्छेद का नाम बताइये।
(ii) आचार्य विश्वनाथ की रचना का नाम लिखिए।
(iii) नीतिशतकसार कौन है ?
(iv) 'माघे सन्ति त्रयो गुणा:' किस कवि से सम्बन्धित है ?
(v) भारवि के पिता का नाम क्या है ?
(vi) वनेचर किस कृति का पात्र है ?
(vii) द्वैतवन को किसने अपना निवास-स्थान बनाया ?
(viii) धन की गतियों के नाम बताइये।
(ix) पुण्यात्मा जन क्या प्राप्त करने में सफल हो जाते हैं ?

http://www.mjpruonline.com